

भदेस वि. (देश.) भद्दा, जिसका रूप देखने में अच्छा न हो, कुत्सित।

भदेसिल वि. (देश.) दे. भदेस।

भदैल वि. (देश.) भादव मास में होने वाला।

भदौरिया वि. (देश.) 1. भदावर क्षेत्र या निवासी क्षत्रिय 2. क्षत्रिय जाति की उपाधि।

भद्दा वि. (तद्.) 1. बदरूप, बेढ़गे रूप वाला, असंतुलित रूप या आकृति वाला 2. जिसमें असभ्य शब्दों का प्रयोग हो ऐसी बात।

भद्र वि. (तत्.) 1. कल्याणकारी, अच्छा, शुभ, सुखद, भला, कुशलक्षेम 2. पुराने समय में स्नेही आदरणीय व्यक्ति के नाम के साथ जोड़ा जाने वाला शब्द जैसे- बलभद्र, रामभद्र आदि।

भद्रक वि. (तत्.) अच्छा, शुभ, उत्तम गुणी काव्य. एक वार्णिक छंद, जिसमें क्रमशः भगण, रगण, नगण, रगण नगण, रगण, नगण और गुरु कुल 22 वर्ण तथा 4-6-6-6 वर्णों पर यति होती है।

भद्रकाय वि. (तत्.) 1. मनोरम शरीर वाला 2. श्रीकृष्ण का एक पुत्र।

भद्रकाली स्त्री. (तत्.) काली का एक रूप जिनकी सोलह भुजाएँ हैं और जिन्होंने दक्षयज्ञ को ध्वंस करने में साथ दिया था।

भद्रता स्त्री. (तत्.) सदाचारिता, कल्याणकारिता, सज्जनता।

भद्रमुख वि. (तत्.) अच्छे मुँह वाला, सुंदर पुं. महानुभाव, सभ्यजन टि. पुराने काल में शिष्टाचार पूर्ण संबोधन में भद्रमुख शब्द का प्रयोग होता था।

भद्रविराट पुं. (तत्.) काव्य. एक वार्णिक छंद जिसके पहले और तीसरे चरण में क्रमशः तगण, जगण रगण और गुरु से 10 वर्ण और दूसरे चौथे चरण में मगण, सगण, जगण और गुरु से 11 वर्ण होते हैं।

भद्रशाखा पुं. (तत्.) कार्तिकेय।

भद्रश्री पुं. (तत्.) चंदन का पेड़, श्रीखंडवृक्ष।

भद्राकरण पुं. (तत्.) सिर के केशों का मुंडन।

भद्राभद्र वि. (तत्.) भला और बुरा, हितकारी और अहितकारी।

भद्रावह वि. (तत्.) शुभकारक, मंगलकारी।

भद्रासन पुं. (तत्.) 1. योगासन का भेद 2. राज्यासन।

भद्रिका स्त्री. (तत्.) ज्यो. भद्रिका नाम से प्रसिद्ध द्वितीया, सप्तमी और द्वादशी तिथियाँ काव्य. एक वर्णिक छंद जिसमें प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, नगण और रगण के योग से नौ वर्ण होते हैं।

भद्री वि. (तत्.) किस्मत वाला, भाग्यशाली।

भनक स्त्री. (देश.) 1. अस्पष्ट समाचार, धीमा स्वर 2. कानोंकान सुनी खबर।

भनकना अ.क्रि. (देश.) कहना, बोलना।

भनना स.क्रि. (तद्.) भणन, बोलना, कहना।

भनभनाना अ.क्रि. (देश.) 1. भन-भन का शब्द करना 2. गूँजने का शब्द करना।

भनभनाहट स्त्री. (देश.) भन-भन करने की क्रिया या भाव या आवाज जैसे- मच्छरों, कीड़ों की भनभनाहट।

भनिति स्त्री. (तद्.) 1. भणित, उक्ति, कथन 2. काव्य-पंक्ति।

भय पुं. (तत्.) 1. संकट होने पर या होने की संभावना से उत्पन्न दुःखजनक भाव 2. उद्वेगजनक मानसिक भाव 3. डर, खौफ, भीति।

भयकंप पुं. (तत्.) डर से उत्पन्न कँपकँपी, भय के कारण हुआ कंपन।

भयकर वि. (तत्.) 1. भयंकर, डरावना, त्रासजनक 2. संकटपूर्ण, खतरनाक।

भयकारी वि. (तत्.) भयंकर, भय देने वाला, डरावना, खौफनाक।

भयत्रस्त वि. (तत्.) बहुत डरा हुआ, भयभीत, भय से विकल।